



# MY GILLETTE ITALY, SEEN UP CLOSE

Ferdinando Frega — Nando the Scribe

## मेरी जिलेट इटली, करीब से देखी हुई

अप्रत्याशित होने के अपने फ़ायदे हैं, पर अपने अंधे कोने भी — वे पल जब आप इंतज़ार करते हैं कि साफ़ तस्वीर अपने आप आ जाए। और वह आती है। बस इंतज़ार करना आना चाहिए। जो कि इतालवी हुनर नहीं है।

पहले से कोई योजना नहीं, कोई प्लानिंग नहीं। वह काम उनके लिए है जिन्हें विचारशील दिखने के मोटे पैसे मिलते हैं, जबकि असली आँकड़े सहज बुद्धि और अंतर्ज्ञान से बँधे रहते हैं — दो परम मूल्य, यह कभी भूले बिना कि हम क्राबिल औरतों के बेटे हैं। यह कभी मत भूलिए।

अमेरिकी इसे बड़ी सहजता से वर्क इन प्रोग्रेस कहते हैं। हम इतालवियों के पास कोई प्रबंधकीय दृष्टि नहीं है, और दो हज़ार साल बाद भी हम अपने मोर्चे बचा रहे हैं — इस पर झगड़ते हुए कि क्या किसका था, पर सचमुच कभी इस पर नहीं कि क्या किसका था — और प्राचीन रोमनों की दुहाई देते हुए: जलसेतुओं और शौचालयों के कुशल निर्माता, अधीन करने, दबदबा जमाने, हड़पने और भेदभाव के उस्ताद, अंतहीन मनोरंजन और रंगरलियों में लिपटे हुए, ऐब बहुत और गुण कम। एक क्रौम जिसने उस सहकर्मि को सूली पर कीलों से ठोक दिया जो दो हज़ार साल पहले एक वचन, एक किताब लेकर आया था — बेज़ोस और अमेज़न के आने का एलान करने कभी नहीं, बल्कि सिर्फ़ यह दिखाने कि किसी और की खाल पर कारोबार कैसे खड़ा किया और अपना बनाया जाता है।

एक क्रौम जिसने आख़िर में सब कुछ गँवा दिया, और हमारे लिए छोड़े तो बस सार्वजनिक पेशाबघर और सरकार में मेलोनी — अमेरिकी भालू से लड़ती हुई, जो अब भी यह मानने से इनकार करता है कि वह जन्म से ही एक औरत से हारा हुआ है, महज़ इसलिए कि उसने कभी पैसे के दम पर एक ख़ूबसूरत औरत को वश में कर लिया था।

जो वह नहीं जानता, वह यह है कि औरत का ऊपर से दिखता समर्पण ही असली छिपी हुई जीत है — जिसे सिर्फ़ ख़ाली जेबों वाला एक विकसित मर्द पढ़ सकता है। और जब उसकी चढ़ती पूँजी बढ़ती जाती है, वह उसकी ताक़त को अपने ही हाथों के बीच साधती है, ठीक उतना थामे हुए जितना वह समा सकती है, वैसे ही जैसे कोई कूपियर कसीनो की मेज़ सँभालता है।

इटली। एक देश जहाँ आप बीस दिन की छुट्टी पर आते हैं, अच्छा खाते हैं, और फिर फ़ौरन निकल जाते हैं।

क्योंकि यह वह जगह नहीं है जिसकी मैं सिफ़ारिश करूँ।

---

नांदो